

तो उसके टैक्स स्ट्रक्चर में परिवर्तन करना चाहिये ।

है । हमारे वित्त मंत्री ने एक बार अपनी स्पीच में कहा कि .....

इसके अलावा लोगों के टैक्स के बारे में जो उनका दृष्टिकोण अब तक रहा है उसमें भी परिवर्तन लाने की आवश्यकता है । जब तक लोगों के दृष्टिकोण में यह परिवर्तन नहीं होता कि हमें सरकार को तमाम वाजिब टैक्स देने हैं और यह टैक्स हमारे लाभ के लिये हैं और उनसे हमको ही प्राप्ति चल कर लाभ मिलेगा, जब तक लोगों की यह वृत्ति नहीं होगी तब तक हम कितने ही कानून चाहे क्यों न बनायें, यह जो हमारे देशवासियों के अन्दर टैक्सों की चोरी करने और बेईमानी करने की वृत्ति हो जाती है, वह दूर नहीं होगी । अब कोई बहुत मुश्किल में पड़ करके टैक्स बचाने की चप्टा करता है तो वह तो इस बिल में आयेंगा नहीं परन्तु वित्त मंत्री महोदय का मेरा मुझसे यह है कि सरकार को यह देखना चाहिये कि जिनका खर्चा है जिनकी आमदनी है, उस आमदनी में उसका खर्चा चल सकता है या नहीं ताकि वह बिना मुश्किल के जो टैक्स उस पर वाजिब आये उसको वह दे सके । अब इनकमटैक्स जैसा कि मैंने आप को बताया २५ हजार पर्याय तक की आमदनी पर कोई ८-५ हजार पर्याय टैक्स का देना पड़ता है । हमारा टैक्स स्ट्रक्चर ऐसा है कि उस के बाद, अर्थात् २५ हजार से एक लाख तक के लोगों को बड़ी मुश्किल होती है । अमेसी लोगों से मेरी बात होती है और वे बताते हैं कि हमारा इतना खर्चा होता है और हम लोगों को बड़ी मुश्किल का सामना करना पड़ता है । २५ हजार तक लोगों को मुश्किल नहीं होनी चाहिये, क्यों कि अपेक्षितता उनका खर्च कम है । कुछ लोग बहुत बड़े हैं और मेरी समझ में नहीं आता कि उन को किसी हालत में मुश्किल होनी चाहिये । एक बार यहाँ से आलोचना हुई कि ऊपर वालों में, जिनकी बहुत इनकम है, टैक्स का एवायडंस और इवजन बहुत होता

**उपाध्यक्ष महोदय :** क्या माननीय सदस्य आज ही तीन चार मिनट में खत्म कर देंगे या अगले दिन-मनडे- को जारी रखना चाहेंगे ?

**श्री सुनसुन बाबा :** मैं अगले दिन जारी रखना चाहूँगा ।

14-31 hrs.

COMMITTEE ON PRIVATE MEMBERS' BILLS AND RESOLUTIONS

EIGHTY-FOURTH REPORT

Shri Balasaheb Patil: I beg to move:

"That this House agrees with the Eighty-fourth Report of the Committee on Private Members' Bills and Resolutions presented to the House on the 26th April, 1961".

Mr. Deputy-Speaker: The question is:

"That this House agrees with the Eighty-fourth Report of the Committee on Private Members' Bills and Resolutions presented to the House on the 26th April, 1961."

The motion was adopted.

RESOLUTION RE: BUDDHIST CONVERTS—contd.

Mr. Deputy-Speaker: The House will now resume further discussion on the Resolution moved by Shri D. A. Katti on the 14th April, 1961 regarding Buddhist converts. Out of 2 hours allotted for the discussion on this Resolution, 1 hour and 15 minutes have already been taken. Shri Shree Narayan Das may continue his speech.

Shri B. K. Gaikwad (Nasik): Sir, before we start the discussion on this Resolution, may I request that as the Resolution is an important one, the time may kindly be extended?